न्यूज डायरी

मधु चौहान, चमन सिंह ने लिए फार्म

देहरादून। जिला पंचायत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के प्रत्याशियों ने मंगलवार को फार्म लिए। जिला पंचायत अध्यक्ष के लिए मधु चौहान और चमन सिंह तथा उपाध्यक्ष के लिए सुभाष शर्मा, डबल सिंह भंडारी और हेमा पुरोहित ने फार्म लिए। एडीएम वित्त प्रताप सिंह शाह ने बताया कि नामांकन फार्म बुधवार को जमा होंगे। बुधवार सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक नामांकन जमा होंगे। फिर जांच की जाएगी। 2 अगस्त को नामांकन वापसी होगी। 5 अगस्त को मतदान, मतगणना भी होगी।

प्रमुख सचिव ने सुनी बंदियों की दिक्कत

देहरादून। प्रमुख सचिव गृह एमएच खान ने सुद्दोवाला जेल पहुंचकर आकस्मिक निरीक्षण किया। हालांकि उस समय जेल अधीक्षक और जेलर नहीं थे। सुरक्षा व्यवस्था का अवलोकन करते हुए बंदियों की समस्याएं सुनी। सूबे के प्रमुख सचिव गृह एमएच खान आईजी जेल विनोद शर्मा को साथ लेकर अचानक जिला कारागार पहुंच गए। उस समय जेल अधीक्षक शहर से बाहर थे, जबकि जेलर किसी काम से सचिवालय में मौजूद थे। भोजनालय के साथ बंदियों की समस्याएं सुनी। उन्होंने अधिकारियों को जल्द निस्तारण के निर्देश दिए। प्रमुख सचिव ने निरीक्षण को सामान्य बताया है।

महानगर का मामला पहुंचा प्रदेश

देहरादून। भाजयुमो की महानगर कार्यकारिणी का मामला प्रदेश नेतृत्व के पास पहुंच गया है। अब प्रदेश अध्यक्ष तीरथ सिंह रावत इस संबंध में निर्णय लेंगे। महानगर अध्यक्ष नीलम सहगल ने भाजयुमो की महानगर कार्यकारिणी इस आधार पर निरस्त कर दी थी कि भाजयुमो महानगर अध्यक्ष ने इस संबंध में उनसे संस्तुति नहीं कराई है।

एमडी में पहला स्थान पाने पर सम्मान

देहरादून। एमडी की परीक्षा में प्रदेश में पहला स्थान पाने पर भाजपा के प्रदेश महामंत्री (संगठन) संजय कुमार ने डा. सपना चौहान को सम्मानित किया। कार्यक्रम का आयोजन भाजपा शिक्षा प्रकोष्ठ जिला परवादून के बैनर तले किया गया था। इस मौके पर प्रकोष्ठ के नीरज सिंघल, दीपक सोम, गजेंद्र चौहान, सुनील मौजूद रहे।

अभिलेखों की नकल, प्रमाणपत्र नहीं मिलेंगे

मिनिस्ट्रीयलकर्मियों का कार्य बहिष्कार आज से

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। कलेक्ट्रेट में अभिलेखों की नकल, आय, जाति और निवास प्रमाण पत्रों का वितरण आदि कार्य नहीं हो पाएंगे। स्टाफिंग पैटर्न के विरोध में उत्तराखंड मिनिस्ट्रीयल कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ के बैनर तले कार्मिक बुधवार से तीन दिवसीय कार्य बहिष्कार पर रहेंगे। इस दौरान जिलाधिकारी संयुक्त कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

कलेक्ट्रेट और तहसीलों में मिनिस्ट्रीयल कार्मिकों के कार्य बहिष्कार पर रहने से डीएम, एसडीएम और तहसीलदार कोर्ट के भी कार्य नहीं होंगे। आपदा, मुख्यमंत्री राहत कोष के चेक के वितरण का काम भी नहीं होगा। जनाधार कार्यालय खुला रहेगा। यहां प्रमाण पत्र बनवाने के लिए प्रपत्र जमा होंगे लेकिन तहसीलों से प्रमाण पत्र नहीं आ पाएंगे। इसके अलावा टाइटल और प्रेस घोषणा पत्र और जन शिकायत कार्यालय में भी काम नहीं होगा। संघ के जिलाध्यक्ष राजेंद्र कुमार ने बताया कि अपनी मांगों के संबंध में कार्मिक धरना-प्रदर्शन करेंगे।

हड़ताल का फैसला करेगा प्रांत

देहरादून। मिनिस्ट्रीयल कार्मिकों की अनिश्चितकालीन हड़ताल के संबंध में उत्तराखंड मिनिस्ट्रीयल कलेक्ट्रेट संघ की प्रांतीय कार्यकारिणी फैसला करेगी। संघ के प्रांतीय महामंत्री आशीष वर्मा ने बताया कि कलेक्ट्रेट पुनर्गठन के संबंध में 11 अगस्त से तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। संघ के प्रांतीय महामंत्री आशीष वर्मा ने बताया कि कार्यक्रम राजस्व परिषद कार्यालय परिसर में होगा। इस मौके पर मिनिस्ट्रीयल कार्मिकों के नायब तहसीलदार, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के पद पर प्रोन्नति और कार्मिकों को कम से कम 2800 ग्रेड पे दिए जाने की मांग उठाई जाएगी।

अब रमसा कर्मचारियों ने दिखाई सरकार को आंखें

देहरादून। शिक्षकों के विरोध से जूझ रहे शिक्षा विभाग को अब आउटसोर्स रमसा कर्मचारियों का भी गुस्सा झेलना होगा। कांट्रेक्ट का रिन्यूवल न होने से नाराज कर्मियों ने शिक्षा निदेशालय के बाहर प्रदर्शन की चेतावनी दी है। उन्होंने मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री पर झूठे आश्वासन देने का भी आरोप लगाया।

राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (रमसा) के तहत प्रदेश के विभिन्न स्कूलों में अलग-अलग पदों पर कर्मचारियों की नियुक्ति की गई। आउटसोर्सिंग के माध्यम से 31 मार्च 2014 तक इन शिक्षकों को नियुक्त किया गया। अक्तूबर 2013 में नियुक्ति के बाद 31 मार्च 2014 को इनका अनुबंध खत्म कर दिया गया। अनुबंध रिन्यू न करने पर शिक्षकों में आक्रोश है। उन्होंने सीएम हरीश रावत और शिक्षा मंत्री मंत्री प्रसाद नैथानी से मिलकर कांट्रेक्ट आगे बढ़ाने की मांग की। मंगलवार को बैठक में मांग पूरी न होने पर 31 जुलाई से शिक्षा निदेशालय के समीप धरना-प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष सुभाष लखेड़ा, उपाध्यक्ष भगवती प्रसाद, आनंद बडोनी, योगेंद्र बडोनी, विपिन, देवेंद्र, मनीष, प्रीति उनियाल, शबनम, सरिता, राजेंद्र रावत, जगत सिंह राणा आदि रहे।

संविदा शिक्षकों का आमरण अनशन

परेड ग्राउंड में अनशन पर बैठे संविदा शिक्षक सोसायटी के सदस्य।

787वें दिन भी जारी रहा धरना

शिक्षा आचार्य एवं अनुदेशकों का समायोजन की मांग पर परेड ग्राउंड में चल रहा धरना मंगलवार को 787वें दिन भी जारी रहा। 10 अगस्त के बाद आंदोलन उग्र की चेतावनी दी है। संगठन अध्यक्ष देवेंद्र बिष्ट ने कहा कि 28 फरवरी 2014 को 910 शिक्षा आचार्य के लिए समायोजन के लिए कैबिनेट मंजूरी दे चुकी है। शासनादेश जारी नहीं किया जा रहा है।

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। पालीटेक्निक संविदा शिक्षकों ने मंगलवार से परेड ग्राउंड धरना स्थल पर ही अनिश्चितकालीन आमरण अनशन शुरू कर दिया। सोमवार को 120 संविदा शिक्षकों ने सचिवालय कूच का प्रयास किया था, लेकिन पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था।

उत्तराखंड पालीटेक्निक संविदा शिक्षक सोसायटी के सदस्य कई दिनों से परेड ग्राउंड में धरना दे रहे हैं। मंगलवार को पूनम रावत, दिव्या नेगी, मनीष भट्ट, संदीप और जगदीप सिंह नेगी आमरण अनशन पर बैठे। सोसायटी के अध्यक्ष सर्वेश चौधरी का कहना है कि मांगें पूरी होने तक अनशन जारी रहेगा। चौधरी ने इस बात पर रोष जताया कि रात में अनशन करने वालों को सुरक्षा नहीं दी गई है। उनका कहना है कि अनशन पर दो लड़कियां बैठी हैं, ऐसे में उनकी सुरक्षा के लिए पुलिस की तैनाती की जानी चाहिए थी।

कांग्रेस अध्यक्ष से मिले शिक्षक

देहरादून। राजकीय शिक्षकों के शिष्टमंडल ने पूर्व जिलाध्यक्ष शिवचरण लखेड़ा, गढ़वाल मंडल के कोषाध्यक्ष भगवान सिंह रावत के नेतृत्व में कांग्रेस अध्यक्ष किशोर उपाध्याय से मुलाकात की। लखेड़ा ने कहा कि राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में एलटी ग्रेड के 2600 पदों को समाप्त करना शिक्षक विरोधी निर्णय है। उत्तराखंड के 90 प्रतिशत विद्यालयों में उपलब्ध कक्षों में केवल 25 से 30 छात्रों को ही बैठाया जा सकता है। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भी भेजा गया। शिष्टमंडल में राकेश पोखरियाल, नरेश चौधरी आदि उपस्थित रहे।

पांच दिन में युवा सीखेंगे बार्सा

वेल्हम ब्वॉयज में बार्सिलोना क्लब के कैंप की शुरुआत

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। फुटबाल की दुनिया में मशहूर यूरोपियन फुटबाल क्लब बार्सिलोना की बार्सा शैली से मंगलवार को खिलाड़ियों को रूबरू होने का मौका मिला। वेल्हम ब्वॉयज स्कूल में एफसी बी स्कोला एकेडमी के पांच दिवसीय फुटबाल कैंप की शुरुआत हुई। पहले दिन 60 खिलाड़ियों ने कैंप में प्रतिभाग किया।

वेल्हम ब्वॉयज स्कूल के फुटबाल मैदान में मंगलवार शाम विशेष फुटबाल कैंप का उद्घाटन हुआ। कैंप में शामिल खिलाड़ियों को अलग-अलग आयु वर्ग के अनुसार बांटा गया और कोचों ने कोचिंग दी। कैंप के ऑपरेशन हैड तरुण गोयल ने बताया कि दिल्ली एनसीआर के एफसी बीस्कोला इंडिया के डायरेक्टर डेविड जैरी के दिशा-निर्देश में खिलाड़ियों को खेल की नई तकनीकियों की जानकारी दी जा रही है। उनके साथ ही आए अन्य कोच सुखविंदर कुमार, अमित रावत, शांतनु जैन और हरीश भी कोचिंग दे रहे हैं। बताया कि विशेषकर बार्सा शैली और खेल की स्किल डेवलप करने की कोचिंग दी जाएगी। कैंप में अंडर-8, 10, 12, 14 और 17 के ग्रुप बनाए गए हैं। विशेष शिविर का पहला सत्र दोपहर 2.30 बजे से 4.30 तक और दूसरा सत्र 4.30 से 6.30 बजे तक कराया जाएगा। दिल्ली एनसीआर में स्थित एफसी बार्सिलोना की एकेडमी एफसी बी स्कोला की पीआरओ सोनिया पिल्लई ने बताया कि कैंप के लिए हर खिलाड़ी से 13,500 रुपये रजिस्ट्रेशन शुल्क लिया गया है। खिलाड़ियों को बार्सिलोना क्लब की किट दी गई है।

वेल्हम ब्वॉयज स्कूल में बच्चों को प्रैक्टिस कराते कोच हरीश।

ये है बार्सा शैली

फुटबाल के खेल में बार्सिलोना क्लब की बार्सा शैली बहुत लोकप्रिय है। यह छोटे-छोटे पास और ग्राउंड पास से खेले जाने की शैली है। जिसमें खिलाड़ी वन टच पास कर गेंद को आगे बढ़ाते हैं। फुटबाल विश्व कप में जर्मनी, स्पेन और नीदरलैंड के खेल में भी इस शैली की झलक दिखाई दी थी।

अनुपम चतुर्वेदी

हिमालयन हॉस्पिटल में बीटिंग हार्ट सर्जरी

राज्य में पहली बार की गई यह सर्जरी

अमर उजाला ब्यूरो

ऋषिकेश। हिमालयन हास्पिटल ने मेडिकल साइंस में बेहद जटिल मानी जाने वाली बीटिंग हार्ट सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। इस लिहाज से बीटिंग हार्ट सर्जरी में संस्थान राज्य का पहला अस्पताल बन गया है। अस्पताल के कार्डियक सर्जन और उनकी टीम ने भानियावाला निवासी राजेंद्र प्रसाद (65) की बीते दिवस कुशल सर्जरी की है।

अस्पताल के कार्डियक सर्जरी विभाग की ओर से बताया गया कि भानियावाला निवासी राजेंद्र प्रसाद को 2005 में दिल का दौरा पड़ा था। हाल में उन्हें दोबारा दिल का दौरा पड़ा। परिजनों ने उन्हें हिमालयन अस्पताल में भर्ती कराया। जहां अस्पताल के कार्डियक सर्जन डा. भावना सिंह और डा. दीपक ओबराय ने जरूरी परीक्षण के बाद उनकी हार्ट बीटिंग सर्जरी की। डा. भावना ने बताया कि सर्जरी के बाद वह पूरी तरह से स्वस्थ हैं।

बीटिंग हार्ट सर्जरी

डा. भावना के अनुसार हृदय की सर्जरी की यह आधुनिक विधि है। जिसमें हृदय के केवल उस स्थान पर रक्त के बहाव को रोका जाता है, जहां सर्जरी होनी है। आमतौर पर हार्ट सर्जरी की अन्य विधियों में छह से सात यूनिट रक्त की जरूरत पड़ती है, जबकि इसमें एक से दो यूनिट रक्त की ही जरूरत रहती है। डा. भावना के मुताबिक इस केस में रोगी की हार्ट की लेफ्ट मेन आर्टरी में 60 प्रतिशत ब्लाकेज था।

जलभराव की समस्या दूर करने के निर्देश

देहरादून। मसूरी विधायक गणेश जोशी ने किशन नगर एवं जाखन में भारी वर्षा से हो रहे जलभराव का निरीक्षण कर अधिकारियों को जल्द समस्या दूर करने के निर्देश दिए। जोशी ने निर्देश दिए कि जलभराव होने पर अभियंताओं की बैठक बुलाकर सुझाव एवं सर्वसहमति से निर्णय लेकर अमल करें। मुख्य नगर अधिकारी हरक सिंह रावत ने बताया कि जल्द नालागैंग लगाकर शहर की नालियों को साफ कराया जाएगा। यहां पार्षद नंदनी शर्मा, दया जोशी, सुनील कुमार, यूएस रावत, एमएस नेगी, आरएस देवड़ी आदि रहे। इससे पहले विधायक जोशी ने राज्यपाल डा.अजीज कुरैशी को ईद की मुबारकबाद दी।

उत्तराखंड को मिली बेसबाल लीग की मेजबानी

देहरादून। छह साल बाद एक बार फिर उत्तराखंड को बेसबाल लिटिल लीग चैंपियनशिप की मेजबानी का अवसर मिला है। बेसबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से संस्तुति पत्र जारी कर दिया गया है और उत्तराखंड बेसबॉल एसोसिएशन ने भी चैंपियनशिप के लिए कमेटी का गठन कर लिया है।

रेंजर्स ग्राउंड में 19 से 21 सितंबर तक लिटिल लीग बेसबाल चैंपियनशिप(अंडर-13) का आयोजन होगा। इससे पहले वर्ष 2008 में लिटिल लीग चैंपियनशिप का आयोजन देहरादून में ही हुआ था। उत्तराखंड बेसबाल एसोसिएशन के अध्यक्ष बृजेंद्र सिंह राणा ने बताया कि चैंपियनशिप के लिए सतीश आनंद को आयोजन सचिव बनाया गया है। उत्तराखंड बेसबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष यूएन चुल्लू आयोजन कमेटी के अध्यक्ष होंगे। चैंपियनशिप में 12 राज्यों की बालक वर्ग की टीमें प्रतिभाग करेंगी। इनके ठहरने के लिए धर्मशालाएं बुक करा दी गई हैं साथ ही रेंजर्स मैदान भी बुक है। **ब्यूरो**

5 लाख से ऊपर आय पर सरकारी रसद नहीं

उत्तराखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना लागू

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। अगर आपकी वार्षिक आय 5 लाख रुपये से अधिक है तो आपको सरकारी राशन नहीं मिलेगा। उत्तराखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के तहत राज्य सरकार ने यह नया नियम लागू किया है। योजना एपीएल उपभोक्ताओं पर लागू होगी, जिसके लिए उनसे गेहूं और चावल के बढ़े दाम वसूले जाएंगे।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना लागू कर राज्य सरकार ने प्रदेश की 61.94 फीसदी आबादी को सस्ता राशन की श्रेणी में शामिल कर लिया है। बाकी आबादी के लिए उत्तराखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना शुरू की गई है।

सचिव डा. उमाकांत पंवार ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग आयुक्त को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना से बाहर हुए लोगों के लिए राज्य की योजना लागू करने के निर्देश दिए हैं। हालांकि योजना लागू करने के साथ कुछ नियम भी बनाए गए हैं, ताकि सभी पात्रों को राशन मिल सके।

योजना की चार बेहद खास बातें

1. शासनादेश के मुताबिक उत्तराखंड की 39,22800 आबादी राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना से बाहर है। इसे राज्य खाद्य सुरक्षा योजना में लाया जा रहा है।

2. ऐसे व्यक्ति जिनकी वार्षिक आय 5 लाख या अधिक हो और सेकेंड स्लैब (20 फीसदी) का आयकर दाता हो, छोड़कर सभी योजना में शामिल होंगे।

3. राज्य खाद्य सुरक्षा योजना एक जुलाई से लागू हो गई। पुराने राशन कार्डों के आधार पर लोगों को राशन दिए जाने के निर्देश हैं।

4. योजना में प्रति राशनकार्ड 10 किलो गेहूं 6.10 रुपये प्रति किलो और 5 किलो चावल 8.45 रुपये प्रति किलो के हिसाब से मिलेगा।

'कम पढ़ा-लिखा, गरीब बनने में आई समस्या'

विभू जल्द नजर आएंगे नए सीरियल में

11 अगस्त से आएगा 'निशा और उसके कजंस'

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। न्यूयॉर्क में अमेरिकन मूवी 'द डिग्निफाइन प्रिंसेस' की शूटिंग के बाद स्टार प्लस के सीरियल 'निशा और उसके कजंस' में कम पढ़े-लिखे और स्पष्ट हिंदी बोलने वाला किरदार निभाने में पसीने छूट गए। यह कहना है कि दून के रहने वाले एक्टर विभू राघव का। बल्लुपुर चौक के पास आशीर्वाद एनक्लेव की लेन नंबर- 6 में रहने वाले विभू राघव 11 अगस्त से शुरू हो रहे सीरियल 'निशा और उसके कजंस' में नजर आएंगे। यह धारावाहिक सोमवार से शनिवार रात 8:30 बजे प्रसारित होगा।

केवी ओएनजीसी से 12वीं, फिर डीआईटी से इंजीनियरिंग करने वाले विभू ने बताया कि हाल में अमेरिकन फिल्म 'द डिग्निफाइन प्रिंसेस' की। न्यूयॉर्क फिल्म एकेडमी से कोर्स, फिर अमेरिकन मूवी के बाद स्पष्ट हिंदी बोलने वाले रोल में दिक्कत हो रही है। विभू ने कहा कि 'निशा और उसके कजंस' में वह निशा के दोस्त बने हैं। यह किरदार कम लिखा-पढ़ा और स्पष्ट हिंदी बोलने वाला है। ड्रेसिंग भी गरीबों वाली है। विभू के मुताबिक असल जिंदगी में वे इससे बिल्कुल अलग हैं। विभू चैनल वी के लिए 'सरवीन गूगल', स्टार प्लस के 'अर्जुन' में नेगेटिव रोल कर चुके हैं। विभू ने बताया कि 'द डिग्निफाइन प्रिंसेस' में चंद्रचूड़ सिंह उनके पिता बने हैं। इसके अलावा विभू जिलेट, डेरी मिल्क, आईपीएल आदि के लिए भी विज्ञापन कर चुके हैं।

अपने नवाज को अमीर दिखने में छूट गए पसीने

देहरादून। मुफलिसी के दिन काट कर बॉलीवुड में सफलता की सीढ़ियां चढ़ रहे एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी को सलमान खान स्टारर 'किक' में अमीर आदमी का किरदार मिला तो उनके पसीने छूट गए। नवाज अपने इंटरव्यू में खुद यह बात स्वीकार चुके हैं। रविवार को प्रसारित 'सिने स्टार की खोज' में सलमान खान ने भी यह बात कही। एक एक्ट पर कमेंट करते हुए सलमान ने कहा कि नवाजुद्दीन ने बेहद गरीबी में जीवन गुजारा है। 'किक' में नवाज को अमीर व्यक्ति का रोल करना पड़ा, तो उन्हें भी काफी दिक्कत आई।

दो दोस्तों को हमला कर किया घायल

देहरादून। पथरी बाग चौक पर दो दोस्तों को मारपीट कर घायल कर दिया गया। पुलिस को मामले की शिकायत दे दी गई है।

टीएचडीसी कालोनी निवासी महादेव रतूड़ी ने पुलिस को बताया कि दो युवकों ने वादी और उसके साथी आशीष गुंसाई को मारपीट कर घायल कर दिया। हमलावरों पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। **ब्यूरो**

बैडमिंटन में जीती दून की अनन्या

राज्यस्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में अल्मोड़ा की अनुपमा भी पहुंची फाइनल में

अमर उजाला ब्यूरो

हरिद्वार। जिला बैडमिंटन एसोसिएशन हरिद्वार की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का मंगलवार को सिटी स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में शुभारंभ हो गया। पहले दिन दून की अनन्या ने ऊधमसिंह की आकांक्षा को हराया। अल्मोड़ा की अनुपमा ने भी फाइनल में जगह बनाई।

आयोजन सचिव गौरव ने बताया कि 10 वर्षीय एकल वर्ग में अनन्या चौहान देहरादून ने आकांक्षा सती ऊधमसिंह नगर को 21-6 और 21-7 से पटखनी देकर फाइनल में जगह बनाई। अल्मोड़ा की अनुपमा ने ऊधमसिंह नगर की अवनि चहल में 21-1 और 21-2 से धूल चटाकर फाइनल में प्रवेश किया। देहरादून की ईशान गुंज्याल ने पौड़ी की पीहू नेगी से वाकओवर लेकर अगले चरण में जगह बनाई। अल्मोड़ा की वर्तिका सिंह ने पिथौरागढ़ की ऐश्वर्या मेहता को 21-9 और 24-22 से हराकर फाइनल में स्थान बनाया। 10 वर्षीय बालक वर्ग में अल्मोड़ा के आराध्य प्रताप ने देहरादून के दिव्यांशु को 21-8 और 21-13 से हराया। वहीं अल्मोड़ा के निलेश रजवार ने ऊधमसिंह नगर के विकास दत्त को 21-18 और 21-13 से हराया। देहरादून के कबीर कंदवाल ने चंपावत के करण को 21-12 और 21-9 से शिकस्त दी। अल्मोड़ा के नमन गुप्ता ने देहरादून के कुशाग्र पंवार को 21-8 और 21-13 से पराजित किया।

रजिस्ट्रेशन में नहीं ले रहे हैं प्राइवेट अस्पताल रुचि

देहरादून। निजी अस्पताल और नर्सिंग होम संचालक स्वास्थ्य विभाग में रजिस्ट्रेशन कराने में रुचि नहीं ले रहे हैं। निजी अस्पताल संचालक क्लीनिकल इस्टेब्लिशमेंट एक्ट के प्रावधानों में कुछ संसोधन चाहते हैं। मरीजों के इलाज में लापरवाही, अस्पतालों द्वारा मनमानी फीस वसूलने आदि गड़बड़ियों को रोकने के लिए उत्तराखंड सरकार ने दो साल पहले राज्य में क्लीनिकल इस्टेब्लिशमेंट एक्ट लागू किया। 25 जुलाई से देहरादून के मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. बीएस जंगपांगी ने एक्ट के तहत निजी अस्पतालों, नर्सिंग होम, क्लीनिक और डाक्टरों का रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए। हालत यह है कि अब तक कोई भी निजी संचालक रजिस्ट्रेशन कराने नहीं आया है। फिलहाल एक साल का रजिस्ट्रेशन मिलना है। बाद में उसे पांच साल के लिए नवीनीकृत किया जाना है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. बीएस जंगपांगी ने बताया कि रजिस्ट्रेशन न कराने पर अर्थदंड का प्रावधान है। आईएमए की शासन से वार्ता चल रही है। फिलहाल अर्थदंड के फैसले को शिथिल किया जा सकता है। लेकिन रजिस्ट्रेशन कराना ही होगा। बुधवार को विभागीय अधिकारियों की बैठक भी रखी गई है। उधर, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) इस एक्ट का विरोध कर रहा है। प्रांतीय सचिव डॉ. डीडी चौधरी ने बताया कि एक्ट के जरिए छोटे क्लीनिकों और अस्पतालों को बंद करने की साजिश की जा रही है। तीन अगस्त को बैठक के बाद संसोधन का ड्राफ्ट मुख्यमंत्री को सौंपा जाएगा। **ब्यूरो**

गुजरात की तर्ज पर तफ्तीश में होगा आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल

पुलिस के तरकश में होंगे 'फॉरेंसिक' बाण

डीआईजी के नेतृत्व में तीन सदस्यीय दल ने किया गुजरात का दौरा

अब फॉरेंसिक टीम के प्रमाणिक साक्ष्य भरेंगे पुलिस के दावों में दम

राकेश शर्मा

देहरादून। अक्सर छोटे-छोटे साक्ष्य भी अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचाने के लिए काफी होते हैं। दून पुलिस इसमें अक्सर मात खा जाती है। फॉरेंसिक साइंस में पिछड़ापन इसका अहम कारण है। लेकिन, अब ऐसा नहीं होगा।

उत्तराखंड पुलिस भी दुनिया भर में मशहूर गुजरात की फॉरेंसिक तकनीक अपनाने जा रही है। इससे पुलिस की जांच के तौरतरीके पूरी तरह बदल जाएंगे।

दरअसल हाल ही में डीआईजी जीएस मर्त्तोलिया, अपर सचिव गृह सवीन बंसल और वैज्ञानिक मनोज कुमार ने गुजरात का दौरा कर फॉरेंसिक तकनीक की जानकारी ली। अधिकारियों की रिपोर्ट पर पुलिस मुख्यालय ने इस दिशा में कदम बढ़ने का फैसला किया है। देहरादून में फॉरेंसिक लैब का काम अंतिम चरण में है, जबकि रुद्रपुर में भी लैब प्रस्तावित है। दोनों लैब को अपग्रेड कराने के लिए गुजरात के फॉरेंसिक एक्सपर्ट यहां पहुंचेंगे। इस टीम का पूरा खर्च पुलिस मुख्यालय ही उठाएगा। डीजीपी बीएस सिद्धू ने बताया कि इस योजना का ब्लू प्रिंट तैयार कर जल्द ही शासन को भेजा जाएगा।

तुरंत पहुंचेगी एफएसएल वैन

फिलहाल किसी भी घटना के बाद फिंगर प्रिंट व अन्य विशेषज्ञों को मौके पर पहुंचने में काफी समय लग जाता है। ऐसे में कुछ अहम साक्ष्य या तो नष्ट हो जाते हैं या कर दिए जाते हैं। लेकिन, अब ऐसा नहीं होगा। गुजरात की तर्ज पर उत्तराखंड में हर जिले में एफएसएल यानि फॉरेंसिक साइंस लेबोट्री मोबाइल वैन होगी। पहले चरण में ऐसी तीन वैन शुरू करने की योजना है। वैन में फॉरेंसिक एक्सपर्ट के अलावा अत्याधुनिक उपकरण भी मौजूद होंगे। घटना की सूचना मिलते ही यह वैन मौके पर पहुंच जाएगी। साथ ही प्रिंगरप्रिंट लेने के लिए अलग डिवीजन होगा। उत्तराखंड में अब तक अपराधियों के प्रिंगरप्रिंट का पूरा रेकार्ड अपडेट नहीं है।

ड्रग्स के मामले में अहम

फोरेसिंक सांइस लेबोट्री वैन के माध्यम से चरस-स्मैक आदि नशीले पदार्थों की मौके पर ही जांच हो जाएगी। प्राथमिक तौर पर पुष्टि होने के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी। अब तक नशीले पदार्थों को लेकर बड़ा खेल होता रहा है। मौके पर पकड़े जाने वाली चरस सुनवाई के दौरान कोयला बन जाती थी।

मनोवैज्ञानिक करेंगे पूछताछ

देहरादून। गुजरात में हत्या, डकैती और लूट के मामले में शक के दायरे में आए लोगों से पूछताछ डंडे के जोर पर नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक करते हैं। इसके लिए बाकायदा अलग मनोवैज्ञानिक सेल बनाया गया है। इस सेल में मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ करने वालों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। उत्तराखंड पुलिस भी अब यही तरीका अपनाएगी।